#4

Sh.
19

पी. सं. 4133 - (110) 226.9
पडाक्रम

महाराज्ञी स्तव (गुरुमुखी लिपि
श्री कृष्णपंडित स्तोत्र
47- अपूर्ण

श्री

॥ रुद्री ॥

॥ २ ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सिद्धिमिव निच ... प्रसादतः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः माणिक्यगणपतये ॥ अस्य श्री ... मन्त्रस्य ॥ श्री
... ऋषिः ॥ श्रीमाणिक्यगणपतिर्देवता ॥ गां बीजं ... शक्तिः
... सकलकाम सिद्धये जपे विनियोगः ॥ अ
थ न्यासः ॥ ॐ ह्रां हृदयाय नमः ॥ ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं
शिखायै वषट् ॥ ॐ ह्रूं कवचाय हुं ॥ ॐ ह्रैं नेत्र

॥ मणि ॥
॥ ५ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆯𑇀𑆫𑆵

॥ 𑆢𑆶𑆫𑇀𑆓𑆼 ॥

॥ 𑇓 ॥

𑆛𑆓𑆤𑆟𑆲𑆴𑆤𑆼𑆥𑆶𑆫𑆾 । 𑆛𑆮𑆑𑆩𑆥𑆴𑆑𑆳𑆯𑆴𑆪𑆶𑆯𑇀𑆫𑆴𑆩
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆤𑆪𑆩𑇆 ॥ 𑆱𑆰𑇀𑆞𑆴𑆫𑇀𑆮𑆑𑇀𑆠𑆶𑆫𑇀𑆓𑆥𑆫𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑆼𑆢𑆼𑆃 ॥ 𑆂𑆢
𑆤𑆾𑆩𑆴𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆳𑆬𑆼𑆑𑆩𑆳𑆠𑆼 𑆢𑆶𑆫𑇀𑆓𑆼 ॥ 𑇒 ॥ 𑆱𑆴𑆥𑆠𑆴𑆫𑆬𑆼𑆑𑆳𑆤𑆴
𑆮𑆼𑆢𑆮𑆥𑆩𑆟𑆠𑆴 ॥ 𑆱𑆮𑆳𑆤𑆴𑆥𑆴𑆠𑆪𑆥𑆶𑆫𑆑𑆫𑇀𑆩𑆠𑆴
𑆥𑆴𑆳𑆩𑆠𑆪𑆤𑆪𑆼𑆓𑆮𑆴𑆪𑆼𑆓𑆢𑆮 ॥ 𑆢𑆶𑆫𑇀𑆓𑆼𑆩𑆼𑆢𑆼𑆮𑆥
𑆤𑆳𑆯𑇀𑆫𑆂𑆤𑆩𑆴𑆩 ॥ 𑇓 ॥ 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆑𑆶𑆩𑆠𑇀𑆩𑆟𑆼𑆤𑆪𑆟𑆵𑆥

ॐ

॥ श्री ॥

॥ ५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ लक्ष्मी ॥

॥ ५ ॥

यच्छनमलठगधठवश्नागड ॥ लक्ष्मीविष्णुपदउभ
मत्रिभगारञ्जूभा ॥ ७ ॥ त्रिभदणिपेठवत्रिपङ्क
कीत्रिरेष ॥ मङ्कोनवगमममेरेद्वपभपङ्गेपि ॥ पङ्की
पठकाल्पवच्छिगङ्गनमद ॥ भभवमर्गैलंववि
नणउलक्ष्मी ॥ ८ ॥ सिनमङ्गद्रमाल्ङ्गनङ्गपष्ट
ष्टभरूपरिवत्ठिमयभञ्जमेन ॥ मीदाममिलि

॥ ५ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

𑆠𑆴𑆬𑇀𑆥𑆵𑆩𑆳 𑇅 𑇑𑇔 𑇅 𑆱𑆩𑆑𑇀𑆠𑆵𑆫𑇀𑆮𑆠𑆶𑆩𑆬𑆑𑆫𑇀𑆩𑆥𑆮𑆩𑆥 𑇅 𑆩
𑆑𑆼𑆤𑆴𑆓𑆱𑇀𑆮𑆢𑆥𑆩𑆳𑆤𑆑𑇀𑆫𑆴𑆪𑆼𑆢𑆶 𑇅 𑆩𑆁𑆑𑆩𑆤𑆴𑆩𑆢𑆓
𑆰𑆓𑆤𑆩𑆫𑆼𑆫 𑇅 𑆑𑆢𑆩𑆶𑆤𑆴𑆩𑆥𑆩𑆁𑆝𑆮𑆱𑇀𑆥𑆶𑆓𑆬𑆵 𑇅 𑇑𑇕
𑆩𑆴𑆤𑆴𑆩𑆢𑆪𑆑𑆴𑆫 𑆩𑆑𑆫𑆬𑆥𑆑 𑇅 𑆩𑆩𑆥𑆤𑆴𑆩
𑆑𑆳𑆫𑇀𑆩𑆤𑆴𑆮𑆴𑆑𑆩𑆼 𑇅 𑆑𑆼𑆢𑆬𑆱𑇀𑆓𑆓𑆪𑆱𑇀𑆩𑆳 𑆫𑆩
𑆱 𑇅 𑆬𑇀𑆬𑆵𑆮𑆴𑆥𑆢𑆩𑆁𑆪𑆵𑆩 𑆩𑆱𑇀𑆢𑆁𑆫𑆩 𑇅 𑇑 𑇅 𑆤𑆓

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भेविश्रम॥ त्रिष्टमिरस्मन्किंप्र–मामिरञ्जीम
१३॥ ॐ प्र–नककम्रदूरजुपदरवलेप॥ पमेमंगेद्व
कवलहभपैतिल्डे:॥ यह्क्रिरद्वत्रभंगिरभ्र
भष्ट॥ रञ्जीभंमविरघघद्वस्पष्टहलम॥ १३ ॐ
पद्वनद्वत्रागरपवनेत्रय॥ नभयमडिप्यम
रथरणेशग्रष्ट॥ कीनमलकमलहमनमवृप्रक्ति

[illegible]

ऋ

॥ गौरी ॥

॥ ३३ ॥

गन्धमाल्यैश्च विधिभि ॥ २१ ॥ छगौरीं श्रीमल्लिलभद्रि
कल्पुष्पं ॥ कुण्डलिमपिष्टं शुभ्रीं जमकां ॥ २२ ॥ ल
गन्धपत्रिभ्यूत्रिवघष्ट ॥ गङ्गीमध्यगिश्छम
पकौत्रि ॥ २३ ॥ तैगाडुभलानिमद्धं हिः वल
यं ॥ नम्ष्टुवमभमिगेकौनिघष्टः पद्मद्रि
दिनिगञ्जनापद्धसं ॥ मध्वष्टमञ्जगिनिमभगु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ग्रहिश्पयसारयुग: ॥ विनयभ्रमद्विष्विभद्दकभन्नि
भुक्तवेडलाडल्सधेवेडलनषभ ॥ ७ ॥ विष्कुडेडय
लंडपलभ्रुकाड्डुकुडड्कुडग्मदियगग्रभ ॥ भ
दगवेद्धुत्रियभमग्तुंभुवेडलाडल्सधेवेड
लनषभ ॥ ८ ॥ गृक्षीयमुदभग्नुहयकदयत्रीभ्
लभिकृलीपदवेडदयत्री ॥ भरुदेकुहयपदं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ वेद ॥
॥ ५ ॥
॥ २० ॥

पाहय प्रुवेश्वलडुलक्षवेश्वलनमम् ॥ प्रुडुलेक
फलैः कमलैः करलैः मदक्षिपिंडक्षिपिंडक्लोले
कैः ॥ मनमैषिंडमनक्षिपिडमप्रुवेश्वलडुलक्ष
वेश्वलनमम् ॥ ११ ॥ मनमहसिवहपरपकाः म
रनषिद्धभः उषिकगी ॥ मवेमत्रिमैस्पमहु
षिकैः प्रुवेश्वलडुलक्षवेश्वलनमम् ॥ १२ ॥ म

॥ गौरी ॥
॥ श्री ॥
॥ ३ ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ गौरीस्तवराज लिख्यते ॥ ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ २ ॥ [illegible] नमः ॥
[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ५ ॥ [illegible]

॥श्री॥
॥ह॥
॥३७॥

स्ड्भिभूइग्निमेरानिघमे: पूरिवल्लिड्धामे ।१०।
ल्मेट्वीइम ॅ मघमद्ड्पक्लिड्भिनिूइमघोभि
मा ॅ मद्मभक्ष्मभि । ञमनि र ड्रमपमभिक
घ्रिड्भिदक्षेभिदम्ष्ठुपड्मा र ॅ गड्भि ।१४
डिपदफड्भिदविघ्नेभिम्डेभिदगपलाड्डिघू: ।१५
वलवनिमघ्रेभिकिंहडमभमनदभि ।१७ डियमि

𑆩𑆲𑆳𑆫𑆳𑆘𑇀𑆚𑆴 𑇆 𑆥𑆳𑆲𑆴 𑆩𑆳𑆁 𑆯𑆫𑆟𑆳𑆓𑆠𑆩𑇀 𑇆 𑇓 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇅 [illegible] 𑇆 𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆠𑆼 𑆩𑆲𑆳𑆫𑆳𑆘𑇀𑆚𑆵 𑇅
𑆥𑆳𑆲𑆴 𑆩𑆳𑆁 𑆯𑆫𑆟𑆳𑆓𑆠𑆩𑇀 𑇆 𑇔 𑇆 [illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆠𑆼 𑆩𑆲𑆳𑆫𑆳𑆘𑇀𑆚𑆵 𑇆 𑆥𑆳𑆲𑆴 𑆩𑆳𑆁 𑆯
𑆫𑆟𑆳𑆓𑆠𑆩𑇀 𑇆 𑇕 𑇆 [illegible] 𑇅 [illegible]
𑆑𑆳𑆬𑆴 𑇆 𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆠𑆼 𑆩𑆲𑆳𑆫𑆳𑆘𑇀𑆚𑆵 𑆥𑆳𑆲𑆴 𑆩𑆳𑆁 𑆯𑆫𑆟𑆳𑆓𑆠𑆩𑇀

श्री

॥ लक्ष्मी ॥

॥ १० ॥

॥ १ ॥ ॐ ह्रीं कमले कमले विमले ॥ वज्र पद्म हस्ते [illegible] नमो भग
वत्यै लक्ष्मीपद्मिनीभ्यां स्वाहा ॥ २ ॥ ॐ वज्र विष्ण
भद्रायै ॥ वज्रे गिरि [illegible] ॥ नमो भगवत्यै लक्ष्मी
पद्मिनीभ्यां स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ [illegible] ॥
[illegible] ॥ नमो भगवत्यै लक्ष्मीपद्मिनीभ्यां
स्वाहा ॥ ४ ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ ॐ क्लीं कल्मलइनल्म ॥ वड्गइङ्लिङ्मल नमस्तु
भगवत्ली फडिंमः स्वाहा ॥ २ ॥ ॐ ग्रडविष्ठ
भटसब ॥ वड्डि गिगिड्लिनी ॥ नमस्तु भगवत्ली
फडिंमः स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ ठक्कं ठीमं भमग ॥
फडवधड गिलि ॥ नमस्तु भगवत्ली फडिंमः
स्वाहा ॥ ४ ॥ ॐ निन्ना लिनिश्चिघैनिड ॥ भञ्जिट

वि

॥ ह्लीं ॥

॥ ०१ ॥

[illegible]

ॐ

॥ ऽङ्गी ॥

॥ ७१ ॥

ले म्रा ऽङ्ग ॥ वी ॐ मे ऽ य म ष ऽ प्य म ङ्ग्रि ष्ठ ल म ॥ द मे
म्रि त्रि ग ष्ठ घ व र ङ्ग व फ ऽ ङ्गी ॥ ॐ नमो भि क पु ढ ल ङ्ग प ग
भ क्र ऽ ष्ठी भ ॥ ५० ॥ दि म क्रि ध म न म ऽ ऽ ऽ म द ऽ ग ऽ
ध म्र म ऽ ग कि ऽ ग म ऽ व य भ ॥ के व ल भ ऽ ऽ प
य प य घ ध म ऽ ॥ ॐ नमो भि क पु ढ लं ढ प ग भ ऽ ऽ ष्ठी
भ ॥ ५१ ॥ ॐ नि म्रि ष म्री व ग न भी ध वि म ल ऽ ॥ नि ऽ ऽ

वि

॥ र श्री ॥

॥ ३५ ॥ ८

स्य स्तवराजस्य भुम् ॥ देवी ममसु गातिमी हृदयं स्थप-
ना ॥ ऐं सिद्धकल्पलतां पादभक्तरक्षिणीम् ॥ ५ ॥ अ-
भसगौंदम्भयहृप विहंमाड ॥ इतांडिंग विषय
निलिड्मे दम्भ रम् ॥ दे दृभविनभष्टमङ्गस्त्र
ऐं सिद्धकल्पलतां पादभक्त श्रीम् ॥ ६ ॥ ऐं सद
दिकं शि षष्ठे द्रुरगम्यक्तषं ॥ ह्लां सक्तराम पुरा ।

गी ॥ २ ॥ कल्पद्रुमपल्लीमण्डपान्तःस्थपत्रस्थक
मेघश्यामश्यामकेशि ॥ क्रमयक्रमलीक्रमशुद्धिःश्मरुन्द
गौरीं ॥ ३ ॥ विन्द्रमवभिमदंनमद्वविरुन्दनद्रवभिं
ङ्गैर्मिद्युद्धम ॥ न्द्रमवभिधुस्रवनद्रवभिर्येगां
गौरीं ॥ ४ ॥ विक्रुककृक्रशुद्धिःक्रमन्नीभरुन्दकुल
माद्रीनमरुमग्लीरः ॥ क्रमयक्रमनंक्रवीदंम

॥ ति ॥

॥ २९ ॥

कं ॥ गतिं ४ ॥ ॐ रक्तमिरंतरस्तमिठक्लि ॥ ल
यंवं कैभासरस्तमिभक्तिभो ॥ भ्रंवंरधूभसभमरुत्र
ठोरः ॥ गतिं ॥ ५ ॥ ॐ विवुमेविधरेधभगेधभटे
रलैमपल्वपचमीमरुमयट ॥ मारेटमगेटमरमं
ध्यपति ॥ गतिं ॥ ६ ॥ ॐ मेपरषेमगिरूमागगपक्षे
भरुहूडापिडमरुपटवक्षे ॥ विपरधविधमरु ।

ॐ॥ श्रीदेव्युवाच॥ [illegible] ऋषिः॥ अनुष्टुप्छन्दः॥ श्री-
भगवती महालक्ष्मीर्देवता॥ ह्रीं बीजम्॥ लक्ष्मीः शी-
॥२५॥ घ्रम्॥ [illegible] शक्तिः॥ [illegible] कीलकम्
[illegible] भगवती [illegible] कवचम्॥ [illegible] कलकम् [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible] विनियो-
॥३३॥ गः॥ [illegible]॥ [illegible] लक्ष्मीः [illegible]॥ [illegible]

लाय ह्रूं नमः ॥ मक्तीश्वरे: भट्टम ह्रूं नमः ॥ वरद
धयैमना भिक ह्रूं नमः ॥ मदथनघनयैकनिध ह्रूं
नमः ॥ ङस्त्रैत्सगवेई: काउलपध ह्रूं नमः ॥ ङी
कगट्रम: ॥ घषघमक्त्रूम: ॥ किलक्षी: हदघग्र
नमः ॥ क्रुवनेश्वरे: मिगमेघद ॥ मक्तीश्वरे: मिपध
वेषल ॥ वरदमघे: कवमगयकृभ ॥ भकभनव

॥ ऽम् ॥
॥ ३२ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ उमा ॥ [illegible]

[illegible]

॥ ४२ ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

५

॥ [illegible] ॥

॥ ३१ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मुगन्धुम्ङलिनभा ॥ दक्षगोगीश्वरंगङ्गं ॥ मद्भैफिंल
गाङ्गेश्वरभा ॥ उभापतिपशुपतिं ॥ विक्रपङ्कंवधषश्वरभा ॥
हेठनभा ॥ उमापतिपशुपतिं ॥ विक्रपङ्कंवषश्वरभा ॥ पिङ्गलेश्वर
सिंवगाङ्गवरभैरवं ॥ श्रीकण्ठं.षवदनभा ॥ ङ्घलिंङ्गमदलि
ङ्गणटिलं ॥ हृतिवमंकपतिनभा ॥ वमभद्रसिद्धेश्वरंकं ॥ षड
ङ्गं ॥ मङ्गलिंङ्गशिलिङ्गनभा ॥ ङ्घवेश्वरमदयूर्कं ॥ मदयकुरभी
ङ्घ.यवदशिभा ॥

[illegible]

𑆥𑆶𑆟𑇀𑆪𑆑𑆴𑆬𑆴𑆤𑆩𑆂 ॥ 𑆑𑆁𑆓𑆾𑆫𑆵𑆯𑆳𑆁𑆓𑆁 ॥ 𑆩𑆤𑇀𑆢𑆼𑆯𑆴𑆁𑆬
𑆔𑆟𑆩𑆂 ॥ 𑆮𑆩𑆥𑆴𑆁𑆥𑆶𑆥𑆴𑆁 ॥ 𑆮𑆴𑆖𑆥𑆁𑆮𑆘𑆤𑆩𑆂 ॥
𑆯𑆴𑆮𑆓𑆤𑆟𑆩𑆼𑆁 ॥ 𑆯𑆵𑆑𑆁𑆤𑆮𑆢𑆤𑆓 ॥ 𑆥𑆴𑆤𑆁
𑆤𑆓𑆟𑆴𑆬𑆁 ॥ 𑆤𑆴𑆮𑆩𑆑𑆥𑆴𑆤𑆩𑆂 ॥ 𑆠𑆴𑆬𑆴𑆁𑆤𑆩𑆢𑆬𑆴
𑆁 ॥ 𑆩𑆤𑆬𑆴𑆁𑆤𑆯𑆴𑆬𑆴𑆤𑆩𑆂 ॥ 𑆮𑆩𑆢𑆯𑆴𑆩𑆴𑆤𑆢𑆁 ॥ 𑆮𑆤
𑆤𑆪𑆮𑆤𑆴𑆩𑆂 ॥ 𑆠𑆮𑆼𑆁𑆩𑆢𑆩𑆁 ॥ 𑆩𑆢𑆩𑆶𑆩𑆵

मे ॥ वकुलाश्रितवपुषे नमः ॥ त्रिकूटमध्यनिलयाय नमः ॥ नमः
शिवाय धवलाय नमः ॥ महेश्वराय नमः सुमुखाय नमः ॥ वरदाय अंगुष्ठमात्राय
कमलापद्मस्थिताय ॥ कल्पवृक्षनिवासाय नमः ॥ शूलपाणि
निलयाय ॥ महाकालकुलनाथाय नमः ॥ महामायापतये नमः ॥ के
वलरूपाय नमः ॥ महाविंद्युदाभाय ॥ भुवनेश्वराय
नमः ॥ सर्वाङ्गसुन्दराय ॥ सर्वशास्त्रपाराय नमः ॥ त्रिपुर

[illegible]

नं || सर्वज्ञं सर्वरूपकं || उस्कञ्चशिरसि मस्तकं ग्र
मङ्गलं गोरवप्रभं || दीप्तं प्रमहत्प्रभं || स्कन्दं भव
शोभाप्रदं || सकलं निष्कलं सत्त्वं || सुतलं भक्तं सर्पं
नन्दस्थं मन्दिरं || शक्लं शाश्वतं पत्रपूर्णं || शिवत्रं
पञ्चतत्त्वं || पञ्चपापप्रवादकरं || पवित्रं पञ्चकं
तं || सुश्रुतमरुद्दमितिरसं || महद्गमहत्पूज्यं सर्व

रूपाय नमः ॥ ऊर्ध्वपीठपाय सर्वतन्त्रमाश्रित
महत्तत्त्वमयाय नमः ॥ दक्षदक्षमखाय नमः ॥ षट्कर्म
मन्त्रेश ॥ मन्त्रिमन्त्रपत्रवक्षसे नमः ॥ पवित्रियमाश्रित
य ॥ सर्वसर्वप्रदाय नमः ॥ विश्वरूपाय नमः ॥ भक्त
रक्षितगञ्जपाय नमः ॥ भगवत्कल्पितकभक्तिप्रदाय नमः ॥ भगवत्प्रकाशिने
विभक्षाय नमः ॥ विभङ्गभयविनाशाय नमः ॥ विघ्नविषमलयाय

॥ ऊष्म ॥
॥ ७० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ भैरी ॥
॥ भु ॥
॥ [illegible] ॥

दीं क्रौं मैलमलिनवमनगां रिन्नं पापमीलभ
गेवलक्रूंक्रटिदीं रेगां पुष्पदन्तापलरयफो
ङ्गङ्कं भमवमक्रिः ॥ ३३ ॥ विस्रुपवेधिमरक्तेभि
भवयक्रेषिभवृत ॥ लगान्वस्त्र्वपवेधिगर्दभं
मान्त्रभाः ॥ ३४ ॥ इत्युदृक्षमयमभ्रगत्वाधृभि
गेनिरः ॥ भक्तुङ्कङ्क्रालैस्यमयरमञ्जवेदवाः

॥ वेस ॥

॥ ॥ फ ॥

॥ ७२ ॥

गिरीभकलमकका ॥ भमभमघत्रुतकुगिधभंदभे
भकहैगवका हलिविकंभुवेडलडुलंधवेडल
रघभ ॥ २ ॥ कालेनिरलेकलेकविमकेकवेति
धकवधकवश्रिघघः ॥ पिमममिंडसंगिडकम्
कलंभुवेडलडुलंधवेडलरघभ ॥ ३ ॥ घडःधध
कभीरेमणिरघः धभमधकेविक्रभपडंभड

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] || [illegible] ||
[illegible] || ३० || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || ३१ || त्वमेव माता च पिता त्वमेव त्वमेव
बन्धुश्च सखा त्वमेव || त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव त्वमे-
व सर्वं मम देवदेव || ३२ || [illegible]

॥ श्री ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ २३ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ श्री ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ [illegible] ॥

𑆫𑆴

𑇆𑇒𑇓𑇆

𑆟𑆼𑆤𑆶𑆨𑆶𑆓𑆁𑆩𑆪𑇆𑇓𑇆 𑆪𑆱𑇀𑆪𑆳𑆓𑇀𑆫𑆼 𑆱𑆩𑆱𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆥𑆫𑆣𑆶𑆓𑆁𑆮𑆼𑆢
𑆮𑆂𑇆 𑆱𑆩𑆱𑆳𑆛𑆑𑆾𑆱𑆥𑆵𑆯𑆮𑆢𑆤𑆁𑆑𑆮𑆴𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆂𑇆𑇔𑇆
𑆟𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑆥𑆶𑆫𑆳𑆣𑇀𑆪𑆑𑆮𑆴𑆣𑆮𑆣𑆳𑆮𑆴𑆤𑆼 𑆤𑆩𑆂𑇆 𑆯𑆴
𑆮𑆳𑆪 𑆱𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑆩𑆼𑆪𑆑𑆬𑆁𑆑𑆫𑆳𑆪𑆼𑇆 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑆣𑆵𑆩
𑆑𑆠𑇀𑆱𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑆑𑇀𑆫𑆴𑆩𑆁𑆬𑆴𑆤𑆼 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑆱𑆩𑆱𑇀𑆠𑆳𑆪𑆱𑆑
𑆫𑆳𑆱𑆩𑆣𑇀𑆪𑆼𑇆𑇕𑇆 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑆯𑆴𑆠𑆴𑆑𑆟𑇀𑆜𑆳𑆪 𑆨𑆶𑆣𑆮𑆳𑆪𑇅

ये नमः शिवाय निर्विकल्पनिष्प्रपञ्चसंविदे नमः
शिवाय निर्विकारनिष्प्रमाणनिर्द्वयाय नमः शिवाय
निर्मलाय निष्कलाय वेधसे ॥ ३ ॥ नमः शिवाय पञ्चव
क्त्रशोभमानसंविदे नमः शिवाय षड्ध्वमार्गमार्गसं
श्रये ॥ नमः शिवाय ऽर्थभावरूपडानिरूपिणे नमः
शिवाय पावनाय भैरवाय वेधसे ॥ ५ ॥ नमः शिवाय

[illegible] नमः शिवाय [illegible]
[illegible] ॥ नमः शिवाय [illegible]
[illegible] नमः शिवाय [illegible] ॥५॥
नमः शिवाय [illegible] नमः शिव
[illegible] ॥ नमः शिवाय [illegible]
[illegible] नमः शिवाय [illegible]

गलिने ॥ ७ ॥ नमः शिवाय सर्वक्षयविष्णुरूपमध्येनमः शि
वाय द्वन्द्वरहिताय विरागरूपाय । नमः शिवाय प्रपंचपयकरू
पिणे नमः शिवाय भवभैरविघ्नविनाशिने ॥ ८ ॥
नमः शिवाय कमठेश्वरकल्पितेपकल्पितेनमः ॥ शिवाय
किल्बिषेवकद्वारकलमले । नमः शिवाय किल्बिषेव
वद्रूपपात्रिने नमः शिवाय धेनुभवभवनेधरागिने ॥ ९ ॥

[illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 [illegible]
𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 [illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮
[illegible] 𑇅 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 [illegible]

गलिने ॥ ७ ॥ नमः शिवाय सद्भूषाय विभूष्यकृपसस्मेनमः शि
वाय सूक्ष्मरूपाय विरागरूपाय ॥ नमः शिवाय पदपाय पठक्र
रीमनिनेनमः शिवाय मचंडिनिघ्वर्त्रिरनिघामिने ॥ ८ ॥
नमः शिवाय कमठकटकल्लेपकल्पिनेनमः ॥ शिवाय
किंकिणीवकङ्कलभाले ॥ नमः शिवाय किंकिणीव
वडोपपरिनेनमः शिवाय घोरभवबंधेषप्रागिने ॥ ९ ॥

नमः शिवाय शुद्धविग्रहाय भक्तप्रियाय नमः शिवाय प्र
क्रियाय विकल्पगात्रहीनाय । नमः शिवाय भवाविद्धभक्त
शिवाय नमः शिवाय वामवामकस्वयधकाविग्रहाय ॥ ९ ॥
नमः शिवाय वल्लभत्र महादेवपापघ्नाय नमः शिवाय प
क्षणकलापपङ्कपाङ्गाय नमः शिवाय भोगलं नन्दस्व
हृष्टाय नमः शिवाय दक्षाध्वरहल्हादनाय ॥ १० ॥

॥ कि ॥
॥ ५ ॥

मः शिवाय मवठगगीयम गगीयमे नमः शिवाय
मवेमक्तीयंमक्तीयमे । नमः शिवाय मवडः
फवीयं फवीयमे । नमः शिवाय डूमभ्रूय
मम्यमे ॥ ०० । नमः शिवाय मऊरक्रिकऊ
क्रिमविरे नमः शिवाय टफवीर लेह्रलाठ
रिरे । नमः शिवाय ठलमङ्क्षमक्रिकोकिगीरिरे

नमः शिवाय भैभयप्रदवज्रपञ्जरे ॥७४॥ नमः शि
वाय कङ्कालकेयूरपीनोऽस्थिधारिणे नमः शिवाय चण्ड
क्रीडाय ऊर्ध्वश्मश्रवे नमः शिवाय ऊर्ध्वज्वलिशूलिने
त्रिशूलिने नमः शिवाय भवलोककपालिने कपालि
ने ॥७५॥ नमः शिवाय भवभैरवभद्रिणे कपर्दिने नमः
शिवाय निःशब्दभ्रकिने पिनाकिने नमः शिवाय

॥ शि ॥

॥ ९१ ॥

गगणकृतिने विकृतिने नमः शिवाय शैलस्थित
लिङ्गाय पापहारिणे । ७२ । नमः शिवाय भक्तपक्षपातिने
रक्षणे नमः शिवाय कलशैः दमदमकण्ठकरिणे । न
मः शिवाय नगाधिराजवृषभेश्वराय नमः शिवाय
गीष्महामुखसुशिवशिवे । ७५ । नमः शिवाय पी
ठक्षिपीठकेयठितिने नमः शिवाय सिद्धमन्त्रयोगि

॥ शि ॥

॥ ५३ ॥

५३

गामिने नमः ॥ शिवाय भवच्छिन्नाय उग्राय गिरीशाय न
मः शिवाय भवभीरुभीरुतरविनाशिने ॥ ७१ ॥ नमः शि
वाय भक्तवत्सलाय संसारसागराय नमः शिवाय षड्गु
णैश्वर्यपूर्णाय नमः शिवाय भक्तहृद्योगपद्माश्र
यिणे नमः शिवाय सिद्धिप्रदाय भक्तपालिने
॥ ७२ ॥ नमः शिवाय शंभवे नमः शिवाय जगद्गुरवे नमः ।

शिवाय मवडेनमः शिवाय भगवते ॥ ०ः ॥ नमः शिवाय
पवडेनमः शिवाय पवडनमः शिवाय मडडेनमः
शिवाय शौभवे ॥ ७ ॥ नमः शिवाय विश्ववे नमः शिव
य शिपिविष्टवे नमः शिवाय गिरिशे नमः शिवाय पापि
ने ॥ ३ ॥ नमः शिवाय मखिने नमः शिवाय वडिने ।
नमः शिवाय कडिने नमः शिवाय पडिने ॥ १० ॥ न ।

॥ द्वि ॥

॥ ४३ ॥

२३

…णे नमः ॥ शिवाय भगवद्विज्ञानाद्यधिकारिणे न
मः शिवाय भगवच्छ्रीकण्ठश्रीकण्ठविद्याधिपे ॥ ७ ॥ नमः शि
वाय भग[illegible]वे नमः शिवाय षड[illegible]
[illegible]कवचिने नमः शिवाय भग[illegible]
[illegible]ने नमः शिवाय भग[illegible]शूलिने
॥ नमः शिवाय भग[illegible]ने नमः शिवाय भग[illegible] नमः ।

शिवायमघवेनमः शिवायभगवते ॥ ०७॥ नमः शिवाय
पवतेनमः शिवायपवतेनमः शिवायमरुतेनमः
शिवायहीमते ॥ ०८॥ नमः शिवायविष्णवेनमः शिवा
यजिष्णवेनमः शिवायगात्रिवेनमः शिवायपाणि
ने ॥ ९॥ नमः शिवायमहिम्ने नमः शिवायवहिम्ने
नमः शिवायकहिम्ने नमः शिवायघहिम्ने ॥ १०॥ नमः

𑇆 𑆓𑆾𑆫𑆵 𑇆
𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵 𑇆
𑇆 𑇓𑇘 𑇆

𑆓𑇀𑆫𑆑𑆽𑆂 𑇅 [illegible] 𑆑𑇀𑆰𑆩𑆱𑇀𑆮𑆢𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫 𑇅𑇓𑇆
[illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible] 𑆑𑇀𑆰𑆩𑆱𑇀𑆮𑆢𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫 𑇆𑇔𑇅 [illegible]
[illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible] 𑆑𑇀𑆰𑆩𑆱𑇀𑆮𑆢𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫 𑇆𑇕𑇅 [illegible]
[illegible]

॥ गौरी ॥
॥ इ ॥
॥ ३७ ॥

[illegible]

भद्रकाल्यै ॥ पादुकां पूजयामि नमः ॥ ३ ॥ ॐ मेघमेघ
प्रभोः । श्रीगणाधिप्रिये ॥ नमोऽस्तु भद्रकाली ।
पादुकां पूजयामि नमः ॥ ४ ॥ ॐ नमस्ते विराभिद्रे । व
क्षीघपद्मध्वजे ॥ नमोऽस्तु भद्रकाली ॥ पादुकां पू
जयामि नमः ॥ ५ ॥ ॐ नमस्ते गणेश्वरि । क्लिन्नमदि
कलिलि ॥ नमोऽस्तु भद्रकाली पादुकां पूजयामि नमः

॥ दे ॥

॥ ७५ ॥

४९

मः शिवाय दक्षिणे नमः शिवाय पश्चिमे । नमः शिवा
योत्तरे नमः शिवायाग्नेये ॥ ३३ । नमः शिवाय
नैर्ऋते नमः शिवाय वायव्ये । नमः शिवायेशाने नमः
शिवायोर्ध्वे । ३३ । नमः शिवाय भवद्भुः नमः शि
वाय भवाय नमः शिवाय भवरूप नमः शिवाय भव
मः । ३४ । शिव ढवमनकस्दृ ऌगम क्षाङ्कपडेगि ।